'ग्रीन वॉयस' पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में हरियाणा सिंचाई विभाग के पूर्व अधीक्षण अभियंता शिव सिंह रावत को क्षेत्र में सतत पर्यावरणीय प्रथाओं को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिये, **नवज्योति इंडिया फाउंडेशन, एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) द्वारा 'ग्रीन वॉयस' पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- यह पुरस्कार **नवज्योति इंडिया फाउंडेशन के स्थापना दिवस पर प्रदान किया गया, जो** पूरे भारत में जल संरक्षण पर सक्रिय रूप से काम करने वाला संगठन है।
  - **शिव सिंह रावत ने सामाजिक कार्यों** में अपने वर्षों के योगदान पर प्रकाश डाला, जिसमें निम्नलिखित महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया:
    - जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण**।**
    - फल रोपण अभियान।
    - शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि करना।
- महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना।
- **क्षेत्रीय योगदान:**
  - उनका कार्य पलवल, गुड़गाँव, मेवात और फरीदाबाद सहित कई क्षेत्रों में विस्तृत है।
- उन्होंने क्षेत्र में जल संरक्षण के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिये '**यमुना बचाओ अभियान**' के समन्वयक के रूप में भी काम किया।

//

भारत में विकासात्मक समूह

स्वयं सहायता समूह (SHG)

- समान सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और रुचियों वाले लोगों का स्व-शासित सहकर्मी-नियंत्रित (Peer-Controlled) सूचना समूह
  - सदस्यों की अनुमति: 5-20 | पंजीकरण आवश्यक नहीं
  - SHG सदस्यों को ऋण प्रदान करने के लिये बचत राशि का उपयोग करते हैं
- नाबार्ड का SHG-बैंक लिंकेज कार्यक्रम (1992)- SHG को औपचारिक बैंकिंग संस्थाओं से जोड़ना
- भारत में ~ 88% SHG में सभी महिला सदस्य हैं
- **सफलता की कहानियाँ:**
  - वर्ष 1972 से स्व-रोज़गार महिला संघ (SEWA)
  - केरल में कुडुम्बश्री (वर्ष 1998)

सहकारी समितियाँ

- जन-केंद्रित उद्यम, जो अपने सदस्यों के स्वामित्व में उनके द्वारा नियंत्रित और उनके लिये संचालित होते हैं।
  - सदस्यों के साझा योगदान के माध्यम से एकत्रित की गई पूंजी।
- **विनियमन अधिनियम:**
  - बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002
  - राज्य सहकारी समिति अधिनियम
- **97वाँ संविधान संशोधन (2011):**
  - सहकारी समितियाँ निर्माण करने का अधिकार - एक मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 19(1)(c))
  - अनुच्छेद 43B (DPSP) - सहकारी समितियों को बढ़ावा देना
  - भाग IX-B जिसका शीर्षक है "सहकारी समितियाँ" (अनुच्छेद 243-ZH से 243-ZT)।
- **उदाहरण:** अमूल, इफको और पैक्स

गैर-सरकारी संगठन (NGO)

- पीड़ा को दूर करने, निर्धनों के हितों को बढ़ावा देने, पर्यावरण का संरक्षण करने, बुनियादी सामाजिक सेवाएँ प्रदान करने या सामुदायिक विकास के लिये गतिविधियाँ संचालित करना।
- **पंजीकृत:**
  - **सोसायटी:** सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860
  - **ट्रस्ट:** भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882
  - **कंपनियाँ:** धारा 8 कंपनी अधिनियम, 2013
- **संवैधानिक प्रावधान:**
  - **अनुच्छेद 19(1)(c)-** संघ बनाने का अधिकार
  - **अनुच्छेद 43-** ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी समितियों को बढ़ावा देना
  - **समवर्ती सूची** में धर्मार्थ संस्थाओं का उल्लेख है

FCRA विदेशी दान प्राप्त करने के इच्छुक सभी गैर सरकारी संगठनों के लिये पंजीकरण अनिवार्य करता है।

- **प्रमुख NGO:**
  - **NGO प्रथम:** ग्रामीण भारत में बच्चों के सीखने के स्तर का आकलन करने के लिये ASER रिपोर्ट की अगुआई की।
  - **अक्षय पात्र फाउंडेशन:** स्कूली बच्चों को पौष्टिक मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया।

NGO- दर्पण प्लेटफॉर्म - NGO और सरकारी निकायों के बीच एक इंटरफेस।

Drishti IAS

g

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/green-voice-award